EDITOR'S SCATVIEW

The 'BROADBAND REVOLUTION' is all set to unveil the next big frontier for growth in this sector. The major corporates including our own BSNL have unleashed mega plans to grow the broadband bandwagon across the country. Bharati Global is committing US$ 2 billion for its broadband rollout. Bharti Enterprises chairman Sunil Mittal, took over as executive chairman of OneWeb, a satellite firm and they have plans to offer broadband services in India by mid-2022. BSNL plans to add around 1 lakh FTTH customers per month. They are providing more than 85,000 connections per month. FTTH sector has been seen high competition between telecom majors Bharti Airtel and Reliance Jio. HFCL is deploying a fiber-to-the-home (FTTH) network for telecom operator Reliance Jio across 300 cities in India. Airtel plans to offer the service in over 1,000 cities across the country, in the next 12-18 months with an aim to capture over 40 million of the 240 million households in the country.

The Govt has amended the Headend-in-the-Sky (HITS) guidelines by allowing sharing of infrastructure by HITS operators with multi-system operators (MSOs).

The amended guidelines allow sharing of transport stream transmitted by HITS platforms, between HITS operators and MSOs. Further, the HITS platform will not be allowed to be used as a teleport for the uplinking of TV channels. TRAI believes this move will help bring down cable and DTH bills for consumers, provide them with more choices and promote competition in the broadcasting distribution sector.

Hinduja Group-promoted cable, headend-in-the-sky (HITS) and broadband service provider NXT Digital has identified infrastructure sharing also called managed services, digital boutique and satellite media services as three big areas of growth.

While 2020 is coming to an end and this year has caused major losses across business sectors due to the pandemic, let all hope that 2021 will usher in some kind of stability in the business.

(Manoj Kumar Madhavan)

इस क्षेत्र में विकास के लिए अगले बड़े अभियान की शुरूआत करने के लिए **'ब्रॉडबैंड क्रांति'** तैयार है। हमारे अपने बीएसएएल सहित प्रमुख कॉरपोरेटों ने दुनिया भर ब्रॉडबैंड बैंडवागन को विकसित करने के लिए मेगा योजनाओं की शुरूआत की है। भारती ग्लोबल अपने ब्रॉडबैंड प्रस्तुतिकरण के लिए **3** बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश कर रही है। भारती एंटरप्राइजेज के अध्यक्ष सुनील मित्तल ने वनवेब के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला और उनके पास **2022** के मध्य तक भारत में ब्रॉडबैंड सेवा देने की योजना है। बीएसएनएल की योजना प्रतिमाह लगभग **1** लाख एफटीटीएच ग्राहकों को जोड़ने की है। वे प्रतिमाह **85,000** से अधिक कनेक्शन प्रदान कर रहे हैं। डीटीएच क्षेत्र में दूरसंचार कंपनियों भारती एयरटेल और रिलायंस जियो के बीच उच्च प्रतिस्पर्धा देखी गयी है। एचएफसीएल भारत में **300** शहरों में दूरसंचार ऑपरेटर रिलायंस जियो के लिए फाइबर–टू–द–होम (एफटीटीएच) नेटवर्क स्थापित कर रहा है। एयरटेल की योजना देश के **1000** से अधिक शहरों में सेवा की पेशकश करने की है, और अगले **12–18** महीनों में देश में **240** मिलियन घरो में से **40** मिलियन से अधिक पर कब्जा करने का लक्ष्य है।

सरकार ने हिट्स ऑपरेटरों द्वारा मल्टी सिस्टम ऑपरेटरों (एमएसओ) के साथ बुनियादी ढ़ांचे को साझा करने की अनुमति देकार हेडएंड–इन–द–स्काई (हिट्स) दिशा–निर्देशों में संशोधन किया है।

संशोधित दिशा–निर्देश हिट्स ऑपरेटरों और एमएसओ के बीच हिट्स प्लेटफार्मो द्वारा प्रसारित ट्रांसपोर्ट स्ट्रीम को साझा करने की अनुमति देता है। इसके अलावा, हिट्स प्लेटफार्म को टीवी चैनलों की अपलिंकिंग के लिए टेलीपोर्ट के रूप में उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। ट्राई का मानना है कि इस कदम से उपभोक्ताओं के लिए केबल और डीटीएच बिलों में कमी लाने में मदद मिलेगी, उन्हें अधिक विकल्प मुहैया करायेंगे और प्रसारण वितरण क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा।

हिंदुजा ग्रुप द्वारा संचालित केबल, हेडएंड–इन–द–स्काई (हिट्स) और ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाता एनएक्सटी डिजिटल इन्फ्रॉस्ट्रक्चर शेयरिंग की पहचान की है, जिसे प्रबंधित सेवाओं, डिजिटल बुटीक और सैटेलाइट मीडिया सेवाओं के विकास के तीन बड़े क्षेत्रों के रूप में जाना जाता है।

अब जबकि **2020** समाप्त हो रहा है और इस वर्ष महामारी के कारण व्यापारिक क्षेत्रों को बड़ा नुकसान हुआ है, सभी को उम्मीद है कि **2021** में व्यापार में किसी न किसी तरह की स्थिरता की शुरूआत होगी।

(Manoj Kumar Madhavan)